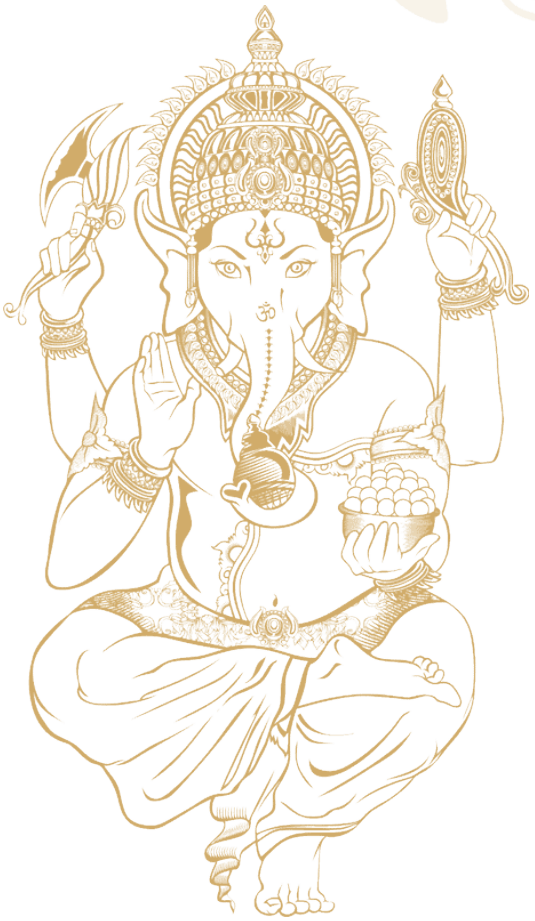

Astosh Sobh

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121233702

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
13/11/1996	जन्म तिथि	14/11/2002
बुधवार	दिन	गुरुवार
घंटे 13:20:00	जन्म समय	18:31:00 घंटे
घटी 16:24:55	जन्म समय(घटी)	29:21:19 घटी
India	देश	India
Safidaun	स्थान	Ambala
29:25:00 उत्तर	अक्षांश	30:19:00 उत्तर
76:40:00 पूर्व	रेखांश	76:49:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:23:20	स्थानिक संस्कार	-00:22:44 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:46:01	सूर्योदय	06:47:25
17:29:11	सूर्यास्त	17:26:45
23:48:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:53:32

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
बुध 6वर्ष 3मा 26दि		03:48:53	कुंभ	लग्न	वृष	16:55:37	गुरु 6वर्ष 6मा 18दि	
शुक्र		27:24:14	तुला	सूर्य	तुला	28:05:19	शनि	
12/03/2010		25:02:24	वृश्चि	चंद्र	कुंभ	27:52:28	03/06/2009	
12/03/2030		13:46:34	सिंह	मंगल	कन्या	25:09:43	03/06/2028	
शुक्र	11/07/2013	04:03:43	वृश्चि	बुध	तुला	28:17:37	शनि	06/06/2012
सूर्य	11/07/2014	21:05:21	धनु	गुरु	कर्क	23:34:11	बुध	14/02/2015
चन्द्र	11/03/2016	24:12:52	कन्या	शुक्र व	तुला	07:06:09	केतु	25/03/2016
मंगल	11/05/2017	07:09:19	मीन व	शनि व	मिथु	04:09:49	शुक्र	25/05/2019
राहु	11/05/2020	13:21:20	कन्या व	राहु व	वृष	14:55:34	सूर्य	06/05/2020
गुरु	10/01/2023	13:21:20	मीन व	केतु व	वृश्चि	14:55:34	चन्द्र	06/12/2021
शनि	12/03/2026	07:19:29	मक	हर्ष	कुंभ	01:03:41	मंगल	14/01/2023
बुध	09/01/2029	01:33:20	मक	नेप	मक	14:28:44	राहु	20/11/2025
केतु	12/03/2030	08:43:17	वृश्चि	प्लूटो	वृश्चि	22:36:40	गुरु	03/06/2028

लग्न-चलित

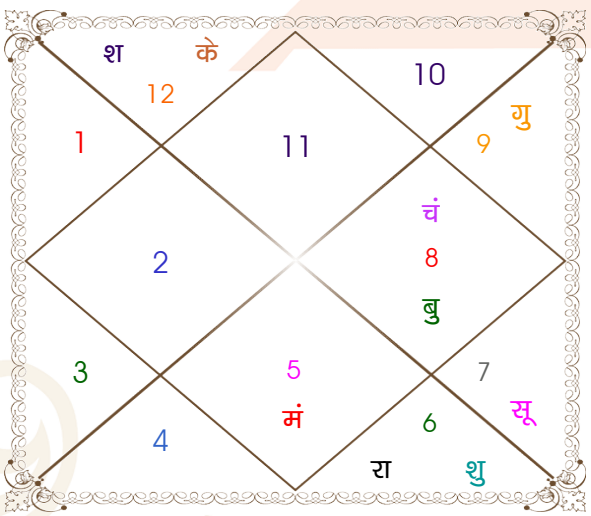

लग्न-चलित

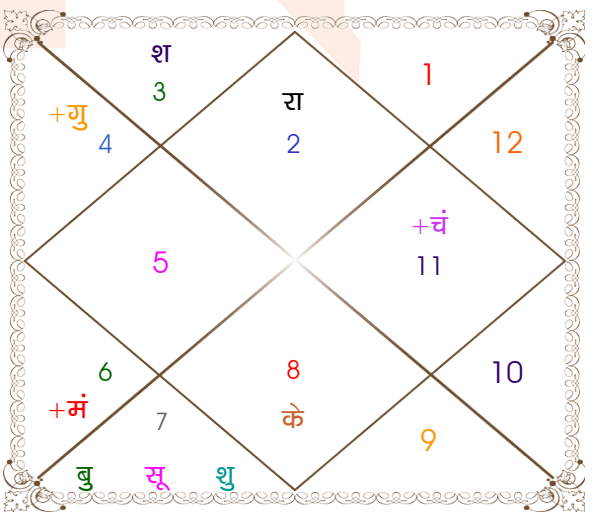

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	कीटक	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मृग	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	मंगल	शनि	5	0.50	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृश्चिक	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	आद्य	आद्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	12.00		

गणदोष कष्टदायक है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता नहीं है।

ोजर्वी का वर्ग मृग है तथा ैवड़ी का वर्ग सर्प है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ोजर्वी और ैवड़ी का मिलान ठीक नहीं है।

मंगलीक दोष मिलान

ोजर्वी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में सप्तम् भाव में स्थित है।

सप्तमो यदा भौमः गुरुणां च निरीक्षिता।
तदास्तु सर्वसौख्यं च मंगली दोषनाशकृत्।।

सप्तम मंगल को गुरु देखता हो मंगली दोष कट जाता है।

क्योंकि ोजर्वी कि कुण्डली में सप्तम मंगल को गुरु देखता है अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

ैवड़ी मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में पंचम् भाव में स्थित है।

ोजर्वी तथा ैवड़ी में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

मिलान ठीक नहीं है क्योंकि अष्टकूट गुण नहीं मिलते हैं।